सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 56 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 31 मार्च, 2023

हजार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
– नेपोलियन बोनापार्ट

देश को भ्रष्टाचार से बचाना है तो भाजपा... 2 | विस चुनाव से तय हो जाएगी दशा... 3 | सुबह-सुबह हुई रात, तेज वर्षा से... 7

जर्मनी के बयान पर देश में घमासान
दिग्विजय के 'थैंक्यू' पर मचा हल्ला

» सिब्बल बोले- विदेशी समर्थन की जरूरत नहीं भाजपा ने भी खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लगता है राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने का मामला अभी और तूल पकड़ेगा। कांग्रेस जहां इसको आगामी चुनावों तक जिंदा रखना चाहती है तो भाजपा भी पीछे रहने को तैयार नहीं है। अब ताजा मामला जर्मन विदेश मंत्रालय की टिप्पणी को लेकर गरमा गया है। इसबार कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह व पूर्व कांग्रेसी व वरिष्ठ वकील कपील सिब्बल के बीच टिवट् को लेकर सियासी उठा-पटक मची है। बीजेपी की ओर से कांग्रेस पर देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी शक्तियों को आमंत्रित करने का आरोप लगाया गया है। वहीं कांग्रेस ने भी पलटवार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार अडानी मामले से ध्यान हटाना चाहती है।

जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि हमने भारत में विपक्षी नेता राहुल गाधी के खिलाफ फैसले और उनकी संसदीय सदस्यता निलंबित किए जाने का संज्ञान लिया है। प्रवक्ता के हवाले से कहा गया कि हमारी जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी फैसले को चुनौती दे सकते हैं। तब ये स्पष्ट होगा कि क्या यह फैसला टिक पाएगा और क्या निलंबन का कोई आधार है? प्रवक्ता ने कहा कि जर्मनी को उम्मीद है कि न्यायिक स्वतंत्रता के मानक और मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांत समान रूप से राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर लागू होंगे।

राहुल पर मानहानि का मुकदमा गलत : कपिल

राहुल गांधी को उनकी मोदी सरनेम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद लोकसभा से अयोग्य घोषित किए जाने पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने दिया बड़ा बयान। कपिल सिब्बल ने कहा कि, मानहानि का मुकदमा हो ही नहीं सकता। क्योंकि राहुल गांधी ने यही कहा था कि कुछ लोग चोर है और उनमें से नीरव मोदी, ललित मोदी एवं एक और मोदी का नाम लिया था। तो अगर मानहानि का मुकदमा होना चाहिए था तो इन्हीं लोगों के द्वारा होना चाहिए था लेकिन इन लोगों ने तो नहीं किया। मुकदमा सूरत में बैठा एक मोदी करता है जिसका इससे कुछ लेना देना नहीं है।

> "ये लड़ाई हमारी अपनी है : सिब्बल"

अब दिग्विजय पर कांग्रेस के पूर्व नेता और सांसद कपिल सिब्बल ने निशाना साधा है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को कहा कि हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है। ये लड़ाई हमारी अपनी है।

दिग्विजय ने जर्मन विदेश मंत्रालय को कहा था शुक्रिया

राहुल गांधी की अयोग्यता पर जर्मन विदेश मंत्रालय की ओर से की टिप्पणी की गई थी। इस खबर को रीटि्वट करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने जर्मन विदेश मंत्रालय को शुक्रिया कहा था। डॉयचे वैले के मुख्य अंतरराष्ट्रीय के संपादक रिचर्ड वाकर को भी धन्यवाद दिया।

कांग्रेस आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित कर रही : रिजिजू

बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित कर रही है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी शक्तियों को आमंत्रित करने की खातिर राहुल गांधी का आभार। याद रखिए, भारतीय न्यायपालिका विदेशी हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं हो सकती। भारत अब और विदेशी प्रभाव को सहन नहीं करेगा क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

जेडीएस विधायक को कर्नाटक हाईकोर्ट का झटका

एक महीने के लिए निलंबित की गई अयोग्यता

» चुनाव को किया रद्द अयोग्यता के फैसले पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 2018 में फर्जी बीमा बांड के जरिए मतदाताओं को लुभाने के मामले में जद (एस) विधायक गौरीशंकर को अयोग्य घोषित कर दिया है। गौरी शंकर तुमकुर ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं।

गौरीशंकर को आदेश के एक महीने के भीतर सुप्रीम कोर्ट में अपील करनी होगी और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगवानी होगी। हाईकोर्ट का यह कदम कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए एक झटका है, जिसकी तारीखों की घोषणा इस सप्ताह की गई है। हाईकोर्ट ने गौरीशंकर की अयोग्यता को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। इससे उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने की अनुमति मिल गई है। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने यह निर्णय पराजित भाजपा उम्मीदवार बी. सुरेश गौड़ा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करने के बाद दिया। गौरीशंकर पर 2018 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को फर्जी बीमा बांड वितरित करने के लिए चुनावी कदाचार का आरोप है।

छह साल तक नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

गौरीशंकर को जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया जा सकता है। इसलिए, गौरीशंकर के पास 30 दिनों के भीतर सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने का विकल्प है। हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे मिलने पर ही गौरीशंकर को चुनाव लड़ने की इजाजत दी जाएगी।

सिसोदिया की जमानत पर फैसला आज

» राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर शुक्रवार शाम चार बजे सुनवाई होगी। एक सप्ताह पहले इस मामले की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। जिसके बाद कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। पिछले सप्ताह सीबीआई ने शराब घोटाले मामले का विवरण और गवाहों के बयान कोर्ट में पेश किए थे।

सिसोदिया ने जमानत याचिका दाखिल करते हुए गिरफ्तारी का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि सभी रिकवरी पहले ही की जा चुकी है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में 26 फरवरी को मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। वहीं मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने 9 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया था। उसके बाद से लगातार प्रयासों के बावजूद मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं मिली है।

देश को भ्रष्टाचार से बचाना है तो भाजपा वालों को जेल में डाल दो : केजरीवाल

» विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं जुटे विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि देश में भ्रष्टाचार मुक्त करना है तो भाजपावालों को जेल में डाल दो। गौरतलब हो कि दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री की ओर से विश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया था मगर उसे स्वीकार कराने के लिए 20 परसेंट विधायकों के हस्ताक्षर की आवश्यकता थी।

मगर उसके पास 11 परसेंट ही विधायक हैं, इसलिए सदन उनका प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर सकता था। लिहाजा उन्होंने विपक्ष की मंशा पूरी करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया जिसे ध्वनि मत से पास कर दिया गया। भाजपा के अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन में विश्वास प्रस्ताव पेश किया और सदस्यों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सदन में हमारे 62 एमएलए हैं, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के अलावा, राजेश गुप्ता प्रकाश जरवाल और रोहित मेहरौलिया बाहर हैं। एक अध्यक्ष हैं, इसके अलावा सभी 56 विधायक हमारे यहां मौजूद हैं। केजरीवाल ने आगे कहा, ऐसे समय में जब भाजपा की केंद्र सरकार ने देश में जनतंत्र को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी, ऐसे में आज सदन की घटना महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अविश्वास प्रस्ताव दिया था, लोगों को लगा कि ऐसे में कैसे लाएंगे जबकि आठ ही विधायक हैं और 14 जरूरी होते हैं, तब उन्होंने कहा था कि छह की व्यवस्था हो गई है। तब मैंने अपने सभी विधायकों से बात की, सबने कहा कि धमकियां आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इन्हें कल लगा कि अब कुछ नहीं हो सकता तो उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव वापस ले लिया। फिर हम अपनी मर्जी से विश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। हम चाहते हैं कि ये हमारी कमियां निकालें। मैंने देखा कि 65 मिनट की चर्चा हुई और इसमें से 35 मिनट विपक्ष को मिला है। संख्या के हिसाब से सात मिनट मिलने चाहिए थे।

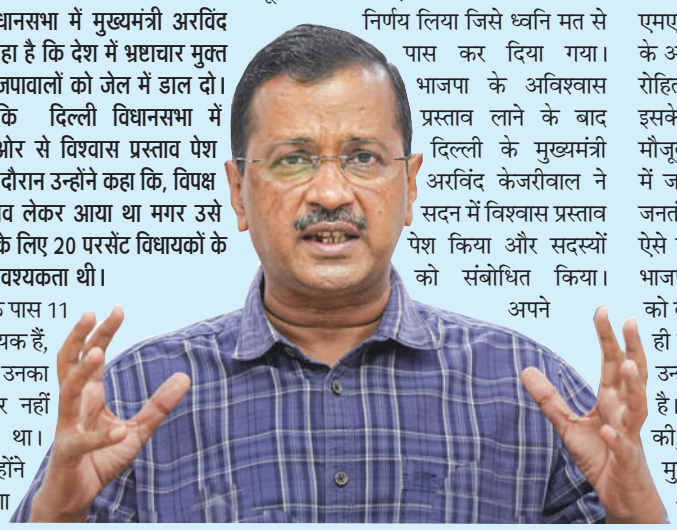

कहा-बीजेपी जनतंत्र को कुचलना चाहती है

केजरीवाल भ्रष्टाचारियों के हैं बहुत बड़े सरदार : मनोज तिवारी

मिर्जापुर। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल बहुत जल्द जेल जाने वाले हैं। केजरीवाल भ्रष्टाचारियों के बहुत बड़े सरदार हैं। भगवान श्रीराम हमेशा न्याय करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके दो सबसे करीबी जेल में हैं। उनको वह धोखा देकर रखे थे कि उनको कुछ भी नहीं होने देंगे, बचा लेंगे। किसी दिन जेल में वो दोनों ही न बता दें कि असली मास्टरमाइंड यही हैं। आगे कहा कि वर्तमान में देश में जो लोकतंत्र है, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस है, ऐसे में अपराधी का लंबे समय तक बचना संभव नहीं है।

राहुल को है अहंकार

एक सवाल के जवाब में कहा कि राहुल गांधी को अहंकार है। ऐसा नहीं है कि इससे पहले किसी की सदस्यता नहीं गई। 2019 में जब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब प्रह्लाद लोधी को दो साल की सजा कोर्ट ने सुनाई थी। भाजपा ने किसी को दोष नहीं दिया था। उन्हें दो ढाई महीने में हाईकोर्ट ने बहाल कर दिया। कांग्रेस की सरकार ने जिस दिन सजा सुनाई गई उसी दिन सदस्यता समाप्त करने का सर्टिफिकेट दिया था। उन्होंने कहा कि इतनी छोटी याद्दाश्त नहीं होनी चाहिए उनकी। वह भी कानून का पालन करें। निचली अदालत का निर्णय है। अगर आपको लगता है कि ओबीसी समाज को गाली देना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है तो जाकर हाईकोर्ट में कहिए।

राहुल गांधी को नहीं लोकतंत्र को अयोग्य घोषित किया : माकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। भाजपा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अयोग्य घोषित किया है। यह सारा नाटक प्रधानमंत्री को साधारण प्रश्न अडानी की शेल कंपनियों में 20 हजार करोड़ रुपये किसने लगाए हैं का जवाब देने से बचाने के लिए किया गया है। यह आरोप पूर्व केंद्रीय मंत्री, एआईसीसी के वरिष्ठ नेता व सदस्य एआईसीसी संचालन समिति अजय माकन ने शहीदी चौक स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में लगाया है।

उन्होंने कहा कि सात फरवरी को राहुल ने लोकसभा में अडानी और प्रधानमंत्री के बीच के संबंधों पर सवाल उठाया था। राहुल तो बहाना है असल में मोदानी (मोदी-अडानी) को बचाना है। घोटाले की जांच के लिए जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) गठित की मांग को दोहराते हुए माकन ने कहा कि हम राहुल के लिए नहीं बल्कि लोकतंत्र की बहाली के लिए लड़ रहे हैं। छोटे निवेशकों, एलआईसी पालिसी धारकों, ईपीएफओ जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के साथ औने पौने दाम पर राष्ट्रीय संपत्ति को बेचने के खिलाफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भाजपा की दीर्घकालीन योजना का हिस्सा है, जो सवाल करता है उसे चुप करा दिया जाता है। भाजपा धोखेबाजों को क्यों बचा रही है। हाल ही में वैश्विक शेयर सूचकांक ने अदाणी समूह की कंपनियों को निलंबित कर दिया है।

भाजपा का चेहरा बेनकाब हो गया : रंधावा

जयपुर । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा आम जनता के सामने बेनकाब हो गया है। इनकी कथनी और करनी में फर्क है, ये लोग कहते कुछ हैं और करते हुछ और हैं। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पुष्कर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा- कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करना भाजपा का प्रायोजित षड्यंत्र है। राहुल गांधी द्वारा अदाणी के विरोध में उठाए गए सवालों से बौखलाई केंद्र सरकार ने ये कदम उठाया है। राहुल गांधी एक शहीद के बेटे हैं और वह अन्याय के खिलाफ जनता के साथ खड़े हैं। यह बात भाजपा और केंद्र सरकार को रास नहीं आ रही है।

टिकट वितरण में न हो पैसे का लेन-देन

» भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा- निकाय चुनाव और लोकसभा चुनाव का रोडमैप तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्षों और नवगठित प्रदेश टीम को निकाय चुनाव के टिकट वितरण में पैसे का चलन न करने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने साफ कहा कि टिकट या पद बेचने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। इस दौरान निकाय चुनाव और लोकसभा चुनाव का रोडमैप तैयार किया गया।

चौधरी ने कहा कि निकाय चुनाव अप्रैल-मई में कराए जाएंगे। पार्टी को सभी 17 नगर निगम सहित सभी बड़ी नगर पालिका परिषदों में चुनाव जीतना है। 6 अप्रैल के बाद पूरी पार्टी निकाय चुनाव की तैयारी में जुटेगी। पंचायत चुनाव में जिस तरह गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई थीं, वैसी शिकायतें निकाय चुनाव में नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रभारी जिलों में प्रत्याशी चयन के लिए फीडबैक लेंगे। नगर पंचायत के सभासद और अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद के सभासद के टिकट जिला स्तरीय कोर कमेटी की संस्तुति से क्षेत्रीय कार्यालय से तय किए जाएंगे। वहीं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष, नगर निगम के पार्षद और महापौर के प्रत्याशी का चयन क्षेत्रीय कोर कमेटी की संस्तुति से प्रदेश मुख्यालय में तय होंगे। कोर कमेटी के सभी सदस्यों के दस्तखत होने पर ही प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता चुनाव में प्रत्याशी चयन भी जिला स्तरीय समन्वय समिति के स्तर से किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निकाय और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिलों में सपा, बसपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों के जो नेता भाजपा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें पार्टी में शामिल कराएं। प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक को ज्वॉइनिंग अभियान का प्रभारी बनाया गया है।

जिलों के संगठन में ज्यादा फेरबदल नहीं : प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन में ज्यादा फेरबदल नहीं होगा। फिलहाल पांच-छह जिलाध्यक्ष बदले जाएंगे। शेष बदलाव निकाय चुनाव के बाद होंगे। ओबीसी मोर्चा के नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए पैनल भेज दिया गया है। शेष मोर्चों, प्रकोष्ठ और विभाग में फिलहाल बदलाव नहीं किया जाएगा। बैठक को प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह ने भी संबोधित किया।

व्यवधान से त्रस्त है संसद अव्यवस्था बनी सामान्य व्यवस्था : जगदीप धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद व्यवधान से त्रस्त है। संसद में अव्यवस्था सामान्य व्यवस्था बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि गतिशील लोकतंत्र में ऐसा कभी नहीं होगा जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच कोई मतभेद न हो। इन्हें आपसी सहयोग से हल करने की आवश्यकता है।

बता दें कि 13 मार्च को बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के बाद से लोकसभा में लगातार व्यवधान देखा जा रहा है। विपक्षी सदस्य अदाणी मुद्दे की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने आगाह किया, लोगों को देश के भीतर और बाहर काम करने वाली वैश्विक मशीनरी द्वारा भारत की अखंडता के खिलाफ सुनियोजित छद्म युद्ध के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। भारत के विकास को बाधित करने, लोकतांत्रिक संस्थानों को बदनाम करने के लिए भीतर और बाहर कपटी ताकतें काम कर रही हैं।

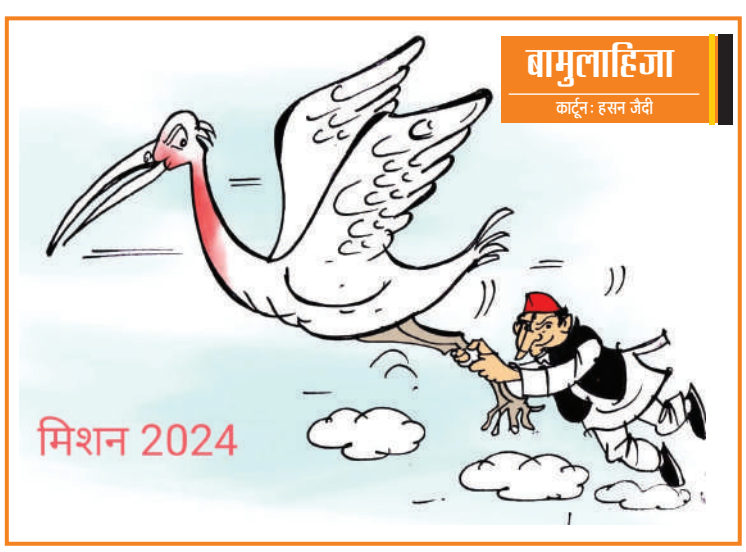

विस चुनाव से तय हो जाएगी दशा-दिशा

कर्नाटक में मई में होंगे चुनाव, 2024 लोस चुनाव से पहले का सेमीफाइनल

» भाजपा, कांग्रेस की नाक की लड़ाई

» अन्य दलों की ताकत भी परखेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही देश में चुनावी माहौल में सरगर्मी बढ़ गई है। सियासी गलियारे में इस चुनाव को 2024 चुनाव का सेमीफाइनल बताया जा रहा है। राज्य की सत्ता पर काबिज बीजेपी अपनी सता को बचाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाने के बेताब है तो कांग्रेस अपनी सरकार बनाने को बेसब्र हैं। सत्ता किसको मिलेगी ये तो 13 मई को पता चलेगा।

इसी साल अभी और 5 राज्यों में विधान सभा चुनाव होने हैं पर उनमें कर्नाटक सभी के लिए एक बड़ा व महत्वपूर्ण राज्य है। यहां जिसको सत्ता मिलेगी उसका नैतीक उठान होगा। वहां के परिणाम आगामी लोक सभा चुनाव के दशा व दिशा भी तय करेंगे। कर्नाटक में ही नहीं इस समय लगभग सभी राज्य चुनावी मोड में आ गए हैं। हर राज्य में क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिती में है। कुछ राजग तो कुछ संप्रग के सदस्य हैं। कुछ ऐसे हैं जो कांग्रेस व भाजपा से दूरी बनाए हैं पर अछूत नहीं मानते। यूपी में अखिलेश, प.बंगाल में ममता, तेलंगाना में केसीआर, दिल्ली में आप अपना-अपना राग अलाप रहे है। हालांकि राहुल की सूरत कोर्ट की सजा के ऐलान व संसद से लोस की सदस्यता जाने के बाद सभी दल राहुल के साथ खड़े हुए और मोदी सरकार के खिलाफ जमकर भड़कर रहे। पर आगे क्या होगा आने वाले समय में छुपा हैं पर जो भी हो आगे की लड़ाई बहुत तगड़ी होने वाली है। कांग्रेस राहुल के बहाने सता कब्जाना चाहती है तो भाजपा ओबीसी अपमान पर राहुल को सत्ता से दूर रख़ने की कोशिश में लगेगी। उधर बिहार के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर कुछ भी बोलने से इनकार किया, हालांकि उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा और सम्राट चौधरी के सवाल पर उनका भूतकाल याद दिलाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम नहीं लिया, लेकिन दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यवहार के बहाने वर्तमान पीएम पर कटाक्ष जरूर किया। नीतीश ने नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता में देरी के लिए कांग्रेस की ओर से देरी की बात कहकर अपना दर्द भी साझा किया। समाधान यात्रा के बाद नीतीश कुमार ने अमूमन मीडिया से बात नहीं कर रहे थे। लेकिन जब बात की तो एक-एक कर कई बातें बोल गए। यह भी बोला कि मीडिया वाले बात करेंगे, लेकिन छापेंगे नहीं क्योंकि रोक है। एक बात सुन लीजिए। आप जानते हैं कि कोर्ट के बारे में...किन्हीं के बारे में कुछ होता है...आप जान लीजिए कि हम कुछ नहीं बोलते हैं। केस भी होता है तो हम कुछ नहीं बोलते हैं। कमेंट नहीं करते हैं। सब लोग अपनी राय तो कहते हैं। पार्टी के लोग कहते ही हैं। हम नहीं कहते हैं। कोर्ट के फैसले पर हम नहीं कमेंट करते हैं।

विपक्षी एकता के अभियान पर नीतीश

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा है विपक्ष के अधिक से अधिक लोगों की एकता हमारी इच्छा है। हम तो तब से इंतजार ही कर रहे हैं। हम इंतजार कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की इच्छा हो जाएगी तो एकजुट हो जाएंगे। तब मजबूती के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव को लड़ेंगे। हम तो इसी इच्छा में चुपचाप बैठे हुए हैं। हम दिल्ली दो राउंड गए। सब लोगों से बातचीत हो गई। हम वेट कर रहे हैं। हम तो उनका वेट ही कर रहे हैं। सब लोगों को तो तैयार ही है। कहा है कि आप लोग देख लीजिए कर लीजिए। अन्य लोगों के साथ मिलकर (गठबंधन) करना है। जिस दिन होगा, उसी के लिए वेट कर रहे हैं। अनेक जो क्षेत्रीय पार्टियां हैं, उनमें बहुत लोगों की राय है कि आपस में एकता हो। हम वेट कर रहे हैं कि अगर उनकी भी इच्छा हो जाए तो ज्यादा से ज्यादा लोग मिल जाएंगे। और अच्छा होगा। अब हम लोग कुछ बोल नहीं रहे हैं। हम लोग की दो बार मीटिंग हुई अलग-अलग पार्टियों की। सब पार्टियों को मिलकर उस दिन भी हम कह दिए थे कि हम इंतजार कर रहे हैं। हमारी पार्टी के लोग भी अगर उन लोगों के साथ से भी कोई कठिनाई है तो हम बोली रहे हैं।

राहुल की वायनाड सीट पर है देश की नजर

चुनाव आयोग ने बुधवार को कर्नाटक विधानसभा चुनावों का एलान कर दिया। इस दौरान आयोग ने हाल ही में खाली हुई केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनावों का एलान नहीं किया गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस सीट से सांसद थे। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द हो चुकी है। राहुल ने 2019 में केरल के वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव जीता था। राहुल की सदस्यता जाने के बाद अब वायनाड की सीट खाली हो गई है। हालांकि, पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट के साथ ही तीन राज्यों की चार विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव की तारीखों का एलान जरूर हुआ। भले ही आज वायनाड उपचुनाव का एलान नहीं हुआ, लेकिन कहा जा रहा है कि आगे चुनाव आयोग इसका एलान कर सकती है। सवाल ये भी है कि नियम क्या कहता है? आखिर क्यों अभी आयोग ने उप-चुनाव का एलान नहीं किया? आगे अगर उपचुनाव हुए तो कांग्रेस के टिकट पर कौन चुनाव लड़ेगा? वायनाड लोकसभा सीट केरल में पड़ती है। 2009 में ये सीट अस्तित्व में आई थी। 2008 में परीसीमन के बाद इसे लोकसभा सीट के रूप में घोषित किया गया। यहां पर पहली बार 2009 में चुनाव हुए। पहले चुनाव में ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) कैंडिडेट एडवोकेट एम. रहमतुल्ला को कांग्रेस उम्मीदवार एमआई शनावास ने लगभग 1,53,439 वोटों से हराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने ही बाजी मारी। कांग्रेस उम्मीदवार शनावास ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सीपीआई उम्मीदवार पीआर सत्यन मुकरी को 20,870 वोटों से मात दी थी। वायनाड सीट केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक तीनों प्रांतों को जोड़ने वाला क्षेत्र हैं और तीनों ही प्रांत कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्रों में आते हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर 10 मई को चुनाव होगा और 13 मई को नतीजे आएंगे। ओडिशा की झारसुगुड़ा विधानसभा सीट, उत्तर प्रदेश की छानबे और स्वार विधानसभा सीट और मेघालय की सोहियोंग विधानसभा सीट पर भी इन्हीं तारीखों पर चुनाव होगा। वायनाड सीट पर उपचुनाव का एलान न करने पर चुनाव आयोग का बयान आया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, एक सीट खाली होने पर उपचुनाव कराने के लिए हमारे पास छह महीने का समय होता है। ट्रायल कोर्ट ने न्यायिक उपाय के लिए राहुल गांधी को 30 दिन का समय दिया है। इसलिए, हम इंतजार करेंगे।

सावरकर मामले में राहुल पर उद्धव ने साधा निशाना

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख (ठाकरे गुट) उद्धव ठाकरे महाविकास अघाड़ी से बाहर हो सकते हैं। वीर सावरकर पर राहुल गांधी के दिए बयानों से शिवसेना को तकलीफ हो रही है। अपनी सदस्यता जाने के बाद एक प्रेसवार्ता में राहुल ने कहा था कि व गांधी है सावरकर नही माफी नहीं मांगेंगे। इस पर बताया जाता है कि उद्धव ठाकरे राहुल गांधी के बयानों से नाराज हैं और वे महाविकास अघाड़ी को छोड़ सकते हैं। इस बारे में सुबह शिवसेना के सीनियर नेता संजय राउत ने भी ऐसे ही संकेत दिए। इससे पहले दरअसल, राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के अकोला जिला स्थित वड़ेगांव ग्राम में दावा किया कि विनायक दामोदर सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी और कारागार में रहने के दौरान उन्होंने डर के कारण माफीनामे पर हस्ताक्षर करके महात्मा गांधी और अन्य समकालीन भारतीय नेताओं को धोखा दिया था। राहुल गांधी ने विनायक सावरकर के 'माफीनामे' की एक प्रति दिखाते हुए निशाना साधा। उन्होंने दावा किया, सावरकर जी ने अंग्रेजों की मदद की। उन्होंने अंग्रेजों को चिट्ठी लिखकर कहा - सर, मैं आपका नौकर रहना चाहता हूं।' राहुल गांधी ने यह भी कहा, 'जब सावरकर जी ने माफीनामे पर हस्ताक्षर किए तो उसका कारण डर था। अगर वह डरते नहीं तो वह कभी हस्ताक्षर नहीं करते। इससे उन्होंने महात्मा गांधी और उस वक्त के नेताओं के साथ धोखा किया।' उन्होंने कहा कि देश में एक तरफ महात्मा गांधी की विचारधारा है और दूसरी सावरकर से जुड़ी विचारधारा है। शिवसेना के प्रमुख नेता संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी के लिए स्वतंत्रता सेनानी वी डी सावरकर पर टिप्पणी करने की कोई वजह नहीं थी और इससे महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में दरार पड़ सकती है। राउत ने कहा, 'वीर सावरकर का विषय उठाने की कोई वजह नहीं थी। इससे एमवीए में दरार पड़ सकती है, क्योंकि हम वीर सावरकर को आदर्श मानते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मोहम्मद फैजल की सांसदी बहाली से जगी उम्मीद!

केरल हाइकोर्ट के आदेश बाद लक्षद्वीप सांसद मोहम्मद फैजल की सांसदी बहाल हो गई। उनकी सांसदी की बहाली के बाद अब राहुल के मामले भी उम्मीद जगी है कि वह भी बड़े कोर्ट में ममाले को सुनवाई के लिए ले जाएं और अपनी सांसदी को बचाएं। बता दें लक्षद्वीप के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सांसद मोहम्मद फैजल को हत्या की कोशिश के मामले में कवारती के सेशन कोर्ट ने उन्हें 10 साल की सजा सुनाई थी। नियम के तहत न्यूनतम दो साल की सजा में ही सांसद या विधायक से संबंधित सदन की सदस्यता छिन जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने ही सजा का ऐलान होते ही सांसद-विधायक की सदस्यता स्वत: समाप्त होने का नियम बना दिया था। चूंकि सजा होते ही सदस्यता स्वत: खत्म हो जाती है, इसलिए सजा निलंबित या रद्द होने पर सदस्यता बहाल होने का भी प्रावधान है। इसी वजह से जिस नियम ने मोहम्मद फैजल की लोकसभा सदस्यता छीन ली, उसी ने लौटा भी दी क्योंकि केरल हाई कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराये जाने और सजा के फैसले को निलंबित कर दिया।

अब यह चर्चा भी हो रही है कि क्या राहुल गांधी को भी उनकी लोकसभा सदस्यता भी वापस मिल सकती है? मोहम्मद फैजल का मामला देखकर राहुल के चेहरे पर मुस्कुराहट और कांग्रेस में खुशी की लहर तो आई ही होगी। लेकिन राहुल गांधी ने तो अब तक सूरत कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती ही नहीं दी है। यहीं पर बड़ा सवाल उठता है कि क्या राहुल गांधी को यकीन नहीं है कि उन्हें हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलेगी और मानहानि केस में दो साल की सजा बरकरार रह जाएगी? यह सवाल इसलिए गंभीर है क्योंकि संसद सदस्यता जाने जैसा बड़ा झटका लगने पर तो सजा के फैसले को चुनौती देने में देरी करना कहीं से समझदारी नहीं मानी जा सकती है। कांग्रेस में तो यूं भी नामी-गिरामी वकीलों की फौज भरी पड़ी है। तृणमूल कांग्रेस , समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति जैसे दल भी राहुल की सदस्यता छिने जाने के विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े हो गए जो गैर-कांग्रेसी और गैर-बीजेपी तीसरे मोर्चे की बात करते हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वो जान-बूझकर ऐसा कुछ करता रहता है कि राहुल गांधी सुर्खियों के केंद्र में रहें। फिर भी सूरत कोर्ट के फैसले को चुनौती क्यों नहीं दी गई? हालांकि अभी राहुल के पास अपील करने के लिए समय है। आगे देखना होगा कि वह क्या निर्णय लेते हैं।

बता दें लक्षद्वीप के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सांसद मोहम्मद फैजल को हत्या की कोशिश के मामले में कवारती के सेशन कोर्ट ने उन्हें 10 साल की सजा सुनाई थी। नियम के तहत न्यूनतम दो साल की सजा में ही सांसद या विधायक से संबंधित सदन की सदस्यता छिन जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने ही सजा का ऐलान होते ही सांसद-विधायक की सदस्यता स्वत: समाप्त होने का नियम बना दिया था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सवाल पूछने का हक और जवाब की मर्यादा

विश्वनाथ सचदेव

उस दिन अचानक सोशल मीडिया पर एक 'रील' दिख गयी थी। मुश्किल से एक-दो मिनट की इस रील में प्रधानमंत्री मोदी से कुछ पत्रकार सवाल पूछते दिख रहे थे। पत्रकार सवाल पूछते, प्रधानमंत्री सवाल सुनकर चुपचाप मुंह फेर लेते। यह तो पता नहीं चल पाया, यह वीडियो किस अवसर का था, पर इसमें कुछ अस्पष्ट नहीं था कि प्रधानमंत्री पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं देना चहते थे, या फिर यह भी संभव है कि वे उन सवालों को उत्तर देने लायक नहीं समझ रहे थे। जिस तरह सवाल पूछना पत्रकार का अधिकार है, वैसे ही उत्तर देने, न देने का अधिकार उसे भी है जिससे सवाल पूछा जा रहा है। लेकिन, एक फर्क है दोनों स्थितियों में। यदि किसी नेता से उसके कहे-किये के बारे में कुछ पूछा जा रहा है तो उसका मौन रह जाना कुछ और सवाल भी खड़े कर देता है। उचित तो यही है कि राजनेता पूछे गये सवालों के ईमानदारी से जवाब दें। पर अक्सर ऐसा होता नहीं।

समझदार राजनेता जब चाहते हैं, सवाल टाल जाते हैं। इस तरह टाल जाना भी एक कला है। भले ही कितना भी अनुचित लग रहा हो, सोशल मीडिया वाले उस वीडियो में प्रधानमंत्री का चुप्पी साध लेना इसी कला का एक प्रदर्शन था। पर विपक्ष के एक नेता राहुल गांधी ऐसी कला का प्रदर्शन नहीं कर पाये। एक प्रेस-वार्ता में जब एक पत्रकार ने उनसे एक सवाल पूछा तो उन्होंने जवाब देने के बजाय उस पत्रकार की नीयत पर ही सवाल उठा दिया। उसे सत्तारूढ़ दल का सदस्य या चमचा बताते हुए उसकी 'हवा निकाल दी'। अनावश्यक था राहुल गांधी का इस तरह पत्रकार पर आरोप लगाना या फिर हवा निकाल देने जैसी बात कहना। राहुल गांधी का यह व्यवहार अनुचित भी था, और अप्रिय भी। राहुल गांधी से यह पूछा गया था कि भाजपा द्वारा उन्हें 'अन्य पिछड़े वर्ग' का शत्रु करार दिये जाने पर उन्हें क्या कहना है। पत्रकार ने भाजपा के हवाले से यह बात पूछी थी, यह सही है, पर ऐसी किसी बात से इस सवाल का कोई रिश्ता नहीं था कि जवाब देने के बजाय पत्रकार पर किसी राजनीतिक दल का एजेंट होने का आरोप लगाया जाये। और कहा जाये, 'क्यों, हवा निकल गयी (ना) ?'

नेताओं की जुबान का फिसलना कोई नयी बात नहीं है। कई बार कुछ शब्द निकल जाते हैं मुंह से। पर संभाल भी लेते हैं ऐसी स्थिति को। अपनी गलती भी स्वीकार कर लेते हैं। राहुल गांधी भी चाहते तो हंसकर शब्द वापस ले सकते थे। उन्हें यही करना चाहिए

था। पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। गलत था यह। पर उस प्रेस-वार्ता में एक और गलत बात भी हुई, अनेक वरिष्ठ पत्रकार थे उस प्रेस-वार्ता में। उन में से किसी ने भी राहुल गांधी से यह नहीं पूछा, या उन्हें नहीं कहा कि उनका यह व्यवहार अनुचित है कि हवा निकाल देने जैसी बात उन जैसे राजनेता के मुंह से शोभा नहीं देती, कि उन्हें अपने कहे पर खेद प्रकट करना चाहिए। आज जब यह लिख रहा हूं तो मुझे लगभग आधी सदी पुरानी एक घटना याद आ रही है। तब मैंने पत्रकारिता में प्रवेश किया ही था। लखनऊ की बात है। प्रखर समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया की एक प्रेस-वार्ता में मुझे अपने अखबार से भेजा गया था। वहां कुछ ऐसा पूछ लिया था मैंने जिस पर डॉ. लोहिया कुछ भड़क-से गये। देश के वरिष्ठ और सम्माननीय नेता का 'गुस्सा' देखकर मुझ जैसे नये पत्रकार का सहम जाना स्वाभाविक था। मेरे पास में ही स्टेट्समेन के एक वरिष्ठ पत्रकार बैठे थे। मेरा सहमना उन्होंने भी देखा होगा। मेरा बचाव करते हुए उन्होंने लोहिया जी से कहा था, 'नाराज क्यों हो रहे हैं लोहिया जी, युवा पत्रकार के सवाल का जवाब दीजिए न?' डॉ. लोहिया तत्काल नरम पड़ गये थे। मुस्कराने लगे। और बड़े इत्मीनान से उन्होंने पूछे गये सवाल का जवाब दिया। मैं सोच रहा हूं, राहुल गांधी की प्रेस-वार्ता में किसी पत्रकार ने उनसे क्यों नहीं कहा कि उनकी बात, उनका व्यवहार उचित नहीं है? भाजपा वाले भले ही कुछ कहते रहें, पर अब राहुल गांधी परिपक्व नेता हो चुके हैं, भारत-जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने अपना क्षमता कई बार प्रमाणित की है। उक्त प्रेस-वार्ता में यदि कोई पत्रकार उन्हें संकेत देता तो शायद वे हवा निकालने जैसी बात कहने पर खेद भी व्यक्त करते। सुना है, अब कुछ पत्रकार संगठनों ने, जिनमें मुंबई प्रेस क्लब भी शामिल है, राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाया है। जनता का अधिकार है उनसे यह पूछने का कि ओबीसी-विरोधी होने के आरोप के बारे में उन्हें क्या कहना है।

वैसे भी, राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से उन्हें यह बात स्पष्ट करनी ही चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा के नेताओं ने कुछ शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है और फायदा उठाया भी है। बहरहाल, यह मुद्दा कुछ गलत शब्द बोलने न बोलने तक ही सीमित नहीं है। मुद्दा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी है, और जनतंत्र में स्वतंत्र मीडिया की भूमिका का भी। समाचारपत्र या मीडिया जनतंत्र के चौकीदार हैं।

दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करे नियामक तंत्र

दिनेश सी. शर्मा

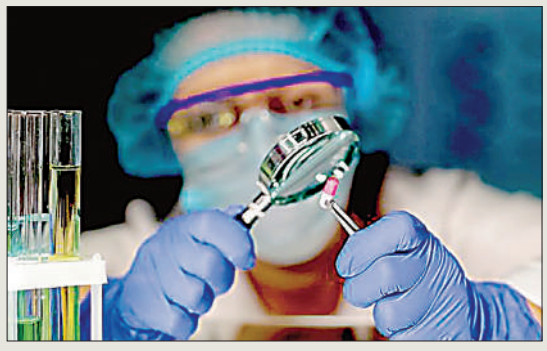

नोएडा पुलिस ने हाल ही में एक दवा निर्माता उद्योग के तीन कर्मियों को मिलावटी दवा बनाने और बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उजबेकिस्तान में खांसी की दवा पीने से 18 बच्चों की मौत होने के सिलसिले में थी, जिसका उत्पादन उपरोक्त कंपनी ने किया था। इसके कुछ महीने पहले ही, हरियाणा की एक कंपनी भी ठीक इसी किस्म के विवाद में घिरी थी, जब गाम्बिया नामक देश में 60 से अधिक बच्चे इसकी बनाई खांसी की दवा पीकर मर गए थे, इन दोनों खांसी की दवाओं में जहरीले तत्व पाए गए। गाम्बिया की मौतों का संज्ञान सबसे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लिया था और इस सप्ताह अमेरिका के दवा नियंत्रण केंद्र ने पुन: पुष्टि की है कि यह मौतें भारत से गई दवा में मौजूद डाइइथाइलिन ग्लाइकॉल (डीईजी) से बच्चों के गुर्दों को पहुंचे गंभीर नुकसान की वजह से हुई हैं।

इस पर, संबंधित भारतीय प्रशासनिक प्रतिष्ठान यानी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन, राज्यों के दवा नियंत्रण विभाग और दवा विभाग की प्रतिक्रिया अजीबोगरीब रही। वे उलटा विश्व स्वास्थ्य संगठन और गाम्बिया स्वास्थ्य मंत्रालय के बयानों में छिपे छिद्रों को भुनाने लगे। इन दोनों देशों की कही बातों का संज्ञान लेकर पड़ताल करने की बजाय केंद्रीय प्रशासनिक संगठन ने अपनी एक कमेटी बनाई, जिसने विश्व स्वास्थ्य संगठन पर जानकारी साझा न करने का इल्जाम लगाया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह कहते हुए गाम्बिया पर जिम्मेवारी थोप दी कि बाजार में इस्तेमाल के लिए उतारने से पहले दवाओं की जांच-पड़ताल का जिम्मा आयातक देशों का होता है। इसने यह भी कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 'व्यक्ति से व्यक्ति स्तर पर मौतों के बारे में सटीक अनौपचारिक जानकारी' मुहैया नहीं करवायी। बाद में पता चला कि गाम्बिया ने कुछ बच्चों का शव-परीक्षण किया और उसमें डाइइथाइलिन ग्लाइकॉल पाया गया।

इतना काफी न था कि स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, जिनके पास रसायन एवं उर्वरक विभाग भी हैं और जिसके तहत दवा विभाग काम करता है, उन्होंने ऐसे इल्जामों को भारत के दवा उद्योगों की छवि बिगाड़ने की साजिश करार दिया। 24 फरवरी को 100 'साझेदार' देशों के राजनयिकों के साथ हुई बैठक में मांडविया ने पुन: भारतीय दवा कंपनियों द्वारा सिर्फ अच्छी गुणवत्ता की दवाएं बनाने की बात दोहराई। यह बयानबाजी लोगों में अपनी साख बनाए रखने का आभास देती है। 26 फरवरी को हैदराबाद में केंद्रीय एवं राज्य दवा प्रशासन विभागों की कथित बंद-कमरा बैठक में मांडविया ने भारत में दवा निर्माता उद्योग की शोचनीय हालत को कुबूल किया है। उन्होंने माना कि बहुत-सी घटिया दवाएं घरेलू बाजार में प्रचलित हैं। बहुत-सी नकली दवाएं निर्यात भी होती हैं और इनकी वजह से हमारे मुल्क के दवा निर्माता उद्योग पर सवाल उठते हैं। इस तरह के हालातों पर मंत्री ने अधिकारियों से कहा, 'दवा उद्योग बेशक जिम्मेवारी से काम कर रहा है, लेकिन इसकी पालना करना हमारा कर्तव्य है'। जहां तक नियामक तंत्र की बात है, उन्होंने कहा, 'यह चाक-चौबंद नहीं है और राज्य एवं केंद्रीय नियामक के बीच यथेष्ट तालमेल नहीं हैं।'

मंत्री के अनुसार, मौजूदा दवा नियामक व्यवस्था, केंद्रीय एवं राज्य प्राधिकरण, केंद्रीय दवा नियामक और दवा विभाग के बीच बंटी हुई है। मांडविया के इस संबोधन का लाइव प्रसारण उनके आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल पर लगभग 8 मिनट चलाने के बाद बीच में बंद कर दिया गया और जल्द ही संबंधित सामग्री हटा दी गई। बेशक स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक डोमेन से यह वीडियो हटा दी हो, लेकिन 'बिल्ली थैले से बाहर आ चुकी है।' मांडविया का बयान विशेषज्ञों और सिविल सोसायटी द्वारा लंबे समय से लगाए जा रहे इल्जामों की तस्दीक करता है कि लचर दवा नियामक की वजह से भारतीय बाजार में घटिया, छद्म और नकली दवाएं बिकती हैं। मांडविया का बयान इस बात की भी पुष्टि करता है कि इस किस्म की दवाएं अन्य देशों को निर्यात होती हैं और नागवार घटनाओं की जिम्मेवार हैं, जैसा कि गाम्बिया, उजबेकिस्तान और विगत में अन्य कई मामलों मे देखने को मिला। मंत्री का संबोधन यह भी दर्शाता है कि वे चेताने वाले समूहों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के संशयों से सहमत हैं कि कमजोर नियामक व्यवस्था और जिम्मेवारी कई जगह बंटी हुई है और इसको दुरुस्त करने की जरूरत है। यदि मंत्री को पता है कि दवा नियामक का कामकाज इतना खराब है, तब वे खुद या सरकार कुछ करती क्यों नहीं? इसकी बजाय, जब भी गाम्बिया या उज़बेकिस्तान जैसी घटनाएं होती हैं तो क्योंकर वे सार्वजनिक तौर पर नियामक तंत्र और दवा उद्योग को ढांपने लग जाते हैं? अब जबकि हम जान गए हैं कि वे खुद व्यवस्था के बारे में क्या सोचते हैं तो उन्हें दोहरी बातें करना बंद करना चाहिए क्योंकि दवाओं की खराब गुणवत्ता का सीधा संबंध लोगों की जिंदगी से है।

नि:संदेह नियामक तंत्र में सड़न-गलन नई नहीं है। 2012 में, एक संसदीय कमेटी ने केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन के कामकाज की जांच के बाद केंद्रीय और राज्य स्तर पर दवा नियामक विभाग के स्याह पहलू का रहस्योद्घाटन किया था। इसके बावजूद स्थितियां ज्यादा नहीं बदलीं और इस कमेटी की सिफारशों पर अमल के लिए बनाई उप-समितियों के बावजूद अधिकांश हिदायतें कागजों तक रह गईं। एक के बाद एक आई सरकारों ने भी व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई।

हीमोग्लोबिन के लेबल को बढ़ायेंगी ये आठ चीजें

अगर आपको हमेशा थकान, कमजोरी या सिरदर्द जैसी समस्या रहती है, तो इसका मतलब है कि आपके खून में हीमोग्लोबिन की कमी हो गई है। हीमोग्लोबिन क्या है? यह एक प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है। ब्लड सेल्स का काम शरीर के चारों ओर ऑक्सीजन ले जाने का काम करती हैं। हीमोग्लोबिन कम होने से क्या होता है? हीमोग्लोबिन का लेवल कम होने से शरीर का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इसका लेवल कम होना संकेत है कि आप खून की कमी से जूझ रहे हैं या लिवर या किडनी की किसी बीमारी से पीड़ित हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से होने से आपको थकान-कमजोरी, पीलिया या लगतार सिरदर्द होना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। हीमोग्लोबिन कैसे बढ़ाएं? हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाने के लिए आपको आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। आयरन हीमोग्लोबिन के उत्पादन बढ़ाने के अलावा रेड ब्लड सेल्स को बनाने में भी मदद करता है। हीमोग्लोबिन की नॉर्मल रेंज पुरुषों के लिए 13.2 से 16.6 ग्राम प्रति डेसीलीटर है जबकि महिलाओं के लिए 11.6 से 15 ग्राम प्रति डेसीलीटर है।

विटामिन-सी से भरपूर खाद्य पदार्थ

एक अध्ययन के अनुसार, शरीर आयरन को पूरी तरह से अवशोषित नहीं कर पाता है यही वजह है कि इसे अवशोषित करने के लिए आपको विटामिन सी की जरूरत होती है। आपको अपने खाने में संतरे, नींबू, शिमला मिर्च, टमाटर, अंगूर, जामुन आदि विटामिन-सी से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए।

चुकंदर

चुकंदर आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, फॉस्फोरस और विटामिन बी1, बी2, बी6, बी12 और सी से भरपूर होता है। यह चमत्कारिक सब्जी हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने और रेड ब्लड सेल्स को बनाने का काम करती है। इसका आप सब्जी, सलाद या जूस के रूप में सेवन कर सकते हैं।

सहजन

एक स्टडी के मुताबिक सहजन की पत्तियां जिंक, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम, विटामिन ए, बी और सी जैसे मिनरल्स से भरी होती हैं। यह सभी तत्व आयरन, हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स के लिए जरूरी हैं। ऐसा माना जाता है कि इन पत्तियों को गुड़ के साथ लेने से आपको ज्यादा फायदा मिल सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह पर इसका रस पी सकते हैं या इसकी फली की सब्जी बना सकते हैं।

हरे पत्ते वाली सब्जियां

हरी सब्जियां जैसे पालक, सरसों का साग, अजवाइन और ब्रोकली आयरन का बढ़िया स्रोत हैं। पालक को पकाकर खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि कच्ची पत्तियों में ऑक्सालिक एसिड होता है जो शरीर में आयरन के अवशोषण को रोक सकता है। इनमें मौजूद विटामिन बी 12, फोलिक एसिड और अन्य पोषक हीमोग्लोबिन बढ़ाने का काम करते हैं।

ब्रोकोली

गोभी परिवार की यह सब्जी आयरन और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन फोलिक एसिड का बढ़िया स्रोत है और इसमें मैग्नीशियम, विटामिन ए और सी जैसे अन्य जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। आयरन और हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने के लिए आप इसे उबालकर या सलाद के रूप में या सब्जी बनाकर खा सकते हैं।

खजूर और कद्दू के बीज

खजूर आयरन का बढ़िया स्रोत है, जो खून में हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाता है। हालांकि डायबिटीज के रोगियों को ज्यादा खजूर खाने से बचना चाहिए। इधर कद्दू के बीज भी कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज और आयरन का बेहतर स्रोत हैं।

अनार

अनार प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर के साथ-साथ कैल्शियम और आयरन दोनों का एक शानदार स्रोत है। हीमोग्लोबिन बढ़ाने के अलावा इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व सेहत को दुरुस्त बनाए रखते हैं। आयरन और हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाने लिए रोजाना अनार का जूस पिएं।

हीमोग्लोबिन कम होने के कारण और लक्षण

हीमोग्लोबिन कम होने के कई कारण हो सकते हैं जिनमें मुख्यतः खाने में आयरन और विटामिन बी-12 की कमी, खून का कैंसर, किडनी या लिवर की बीमारी, थाइरोइड, थैलासीमिया और फेफड़ों से जुड़ी कोई बीमारी आदि शामिल हैं। ऐसा होने पर आपको नीचे बताए लक्षण महसूस हो सकते हैं-

- दिल की धड़कन बढ़ना
- त्वचा का पीला होना और मसूड़ों में खून आना
- हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होना
- मांसपेशियों में कमजोरी
- हमेशा थकान के साथ सिरदर्द रहना
- सांस में कमी

हंसना मना है

टीटू जंगल में जा रहा था तभी एक सांप ने उसके पैर में काट लिया। टीटू को अचानक गुस्सा आया और सांप के आगे पैर कर दिया, कहा ले...काट ले...जितना काटना है काट ले। सांप ने फिर तीन-चार बार पैर पर लगातार काटा फिर सांप थक कर बोला- अबे तू इंसान है या भूत? टीटू: मैं तो इंसान ही हूं लेकिन मेरा यह पैर नकली है।

पत्नी ने मायके जाकर पति को फोन किया और कहा कैसे हो जी, पति ने फोन उठाया और कहा ठीक हूं। पत्नी: मेरी याद आती है तब क्या करते हो? पति: तुम्हारी पसंदीदा आइसक्रीम केसर पिस्ता खा लेता हूं और मेरी याद आने पर तुम क्या करती हो? पत्नी: मैं भी रॉयल स्टैग का क्वार्टर और तीन सिगरेट पीकर एक रजनीगंधा खा लेती हूं।

टीटू: बचपन से ही शौक था अच्छा इंसान बनने का! शौंटी- फिर क्या हुआ, बन गए? टीटू: अरे कहां, बचपन खत्म। शौक खत्म।

रामू लाइब्रेरी जाकर पूछता है कि आत्महत्या करने के तरीकों की किताब है क्या? लाइब्रेरियन ने उसे घूर कर देखा और पूछा - वापस करने कौन आएगा भाई।

लड़की: मैं तुम्हारे लिए आग पर चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं। क्या तुम मुझसे प्यार करते हो? लड़का: हां करता हूं। लड़की: मैं बीमार हूं, क्या तुम मुझे अभी मिलने आ सकती हो, लड़का: पागल हो क्या इतनी धूप में।

कहानी — राजा और चांद

अकबर ने एक बार बीरबल को किसी काम के लिए काबुल भेजा। वहां पर उन्हें एक जासूस समझ कर वहां के राजा के सामने पकड़ कर लाया गया। राजा: तुम कौन हो और मेरे राज्य में क्या कर रहे हो ? बीरबल: मैं भारत से आया हुआ एक मुसाफिर हूं। राजा: अगर तुम इतने बड़े यात्री हो तो बताओ तुम मेरे शासन के बारे में क्या सोचते हो ? बीरबल: आप पूर्ण चन्द्रमा की तरह हैं, आपकी ताकत और साहस की कोई तुलना नहीं है। राजा इस उत्तर से संतुष्ट हुए, लेकिन पूछा: तुम्हारे राजा के बारे में ? बीरबल: वे एक नये चांद की तरह हैं जिनकी तारीफ करने को ज्यादा कुछ नहीं है। राजा इतना खुश हुआ कि उसने बीरबल को एक थैला भरकर सोने की मोहरें दीं। उसके लौटने पर, अकबर के दरबारियों ने पहले ही बादशाह को बीरबल और काबुल के राजा के बीच हुई बातें बता दीं। अकबर: बीरबल, मैंने सुना तुम्हें काबुल के राजा ने सम्मान दिया। बीरबल: हां, जहांपनाह। उन्होंने मुझसे आपके बारे में पूछा। अकबर: मैंने सुना कि तुमने उन्हें पूरे चन्द्रमा और हमारी नये चांद तुलना की। बीरबल: यह सच है, जहांपनाह। अकबर: तुम्हारी अपने बादशाह की बेइज्जती करने की हिम्मत कैसे हुई ? बीरबल: मैंने तो आपकी प्रशंसा की। बढ़ता हुआ चन्द्रमा तो बढ़ती समृद्धि का प्रतीक माना जाता है और उससे प्रशंसा भी बढ़ती है हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही चन्द्रमा को दूसरे दिन से देखना शुरू करते हैं। जबकि पूर्ण चन्द्रमा की शक्ति और ऊर्जा धीरे-धीरे कम होती जाती है। अकबर: मैं तुम पर पूर्ण विश्वास कर सकता हूं।

शिक्षा: अपने संदेश को इस प्रकार संप्रेषित करें कि प्राप्तकर्ता वही देखे जैसा वह चाहता है और उससे किसी की हानि भी न हो। कूटनीति एक कला है- इसे सीखें और पारंगत हों यदि आप शीर्ष पर पहुंचना चाहते हैं। यह वाहन में ईंधन की तरह ही आवश्यक है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दिन सामान्य रहने वाला है। जो लोग बिजनेसमैन है उन्हें आर्थिक उतर-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अगर लम्बे समय से किसी बात को लेकर परेशान हैं तो उसे पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं।

वृषभ

आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। हर किसी को साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे है। जो लोग वकील है आपको किसी पुराने केस में सफलता प्राप्त हो सकती है।

मिथुन

दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। जीवन में आपको नया मुकाम प्राप्त होगा। जो लोग फैशन डिजाइनर है। उन्हें अच्छे काम के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

कर्क

दिन सुनहरा रहने वाला है। पूरे दिन प्रसन्नता बनी रहेगी। जो लोग सरकारी नौकरी कर रहे है, ऑफिस में उन्हें सहयोगियों की मदद मिलेगी। लवमेट के लिए दिन काफी अच्छा है।

सिंह

जो लोग लेखक हैं आपके विचारों का सम्मान होगा, आपकी लेखनी की तारीफ हर जगह होगी। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना आपके लिये बहुत फायदेमंद रहेगा।

कन्या

आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जो लोग थियेटर और फिल्म लाइन में काम करते है आज उन्हें नई उपलब्धियां प्राप्त हो सकती हैं।

तुला

आप चिंतामुक्त रहेंगे। इस राशि के जो लोग जूतों का बिजनेस करते है उनके बिजनेस का विस्तार हो सकता है। जो छात्र कॉमर्स फील्ड से है उन्हें कुछ नया सीखने को मिलेगा।

वृश्चिक

आपका मन आनंदित रहेगा। इस राशि के जो लोग कपड़े का बिजनेस करते है आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ मिल सकता है। लम्बे समय से चली आ रही स्वास्थ संबंधी समस्याओं का अंत होगा।

धनु

आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। रहे है, किसी नयी डील में पैसा लगाने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं।

मकर

दिन मिला जुला रहेगा। बड़ों की सलाह लेने से बिगड़ा हुआ काम भी बन सकता है। विवाहित लोगों को दांपत्य जीवन का सुख प्राप्त होगा। युवाओं के लिए सफलता के नए दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ

दिन बहुत अच्छा रहेगा। आप अपने सोचे हुये कार्यो को जल्दी पूरा कर लेंगे। जो लोग वकालत कर रहे है उनको कोई बड़ा केस मिल सकता है। आपको बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

मीन

जो लोग राजनीति में हैं उन्हें कोई बड़ा पद दिया जा सकता है। लोगों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। छोटे स्तर पर व्यापार करने वालों को उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टर नहीं बल्कि क्रिकेटर बनना चाहता था मैं : आदित्य

आदित्य रॉय कपूर एक बार फिर से बड़े पर्दे पर धूम मचाते दिखाई देने वाले हैं। फिल्म 'गुमराह' के साथ वह सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने को तैयार हैं। फिल्म में आदित्य डबल रोल में दिखाई देंगे, जिसमें उनके साथ पर्दे पर मृणाल ठाकुर नजर आने वाली हैं। फिल्म 7 अप्रैल को दस्तक देने वाली है। लेकिन क्या आप जानते हैं निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर के छोटे भाई आदित्य एक्टर बनना ही नहीं चाहते थे। 'आशिकी 2', 'मलंग' का रोमांटिक हीरो आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड के मोस्टवांटेड मुंडा है। परिवार में दादा से लेकर भाई तक सिनेमा से ताल्लुक रखते हैं, लेकिन जनाब एक्टिंग में अपना करियर नहीं बनाना चाहते थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद मीडिया से बातचीत के दौरान किया है। आदित्य रॉय कपूर ने कहा कि वह तो सिर्फ शौक में वी चैनल में वीजे बन गए थे। इस दौरान उनके पास ऑडिशन के लिए खूब ऑफर आते थे, लेकिन उनको इन ऑडिशन्स में दिलचस्पी नहीं थी। एक दिन उन्हें ये एहसास हुआ कि लोग बुला रहे हैं तो जाकर वहां का माहौल देखना चाहिए। फिर वह विपुल शाह की फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' के ऑडिशन के लिए गए और सिलेक्ट भी हुए। उन्होंने बताया कि वह बचपन में क्रिकेट खेलने के शौकीन थे। उनका क्रिकेटर बनने का सपना भी था, लेकिन जब वीजे बना तो सब छूट गया। आदित्य ने कहा कि लेकिन अपनी इस हॉबी को मैंने खत्म नहीं होने दिया। वह शूटिंग के दौरान खूब क्रिकेट खेलते हैं। एक्टर ने किस्सा शेयर करते हुए कहा कि 'एक्शन रिप्ले' की शूटिंग पर अक्षय कुमार मेरी पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए थे और फिर इसका बदला उन्होंने दूसरी पारी में मेरी गेंद पर छक्का मारकर लिया।

कोई नहीं कर सकता है पू का रोल : करीना कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का पू किरदार काफी चर्चा में रहा। उन्होंने फिल्म कभी खुशी कभी गम में ये रोल निभाया था, जो लोगों को बहुत पसंद आया। 22 साल बाद भी करीना कपूर का ये किरदार आज भी लोगों के ज़ेहन में है और लोग अक्सर पू की नकल करते हुए नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस का कहना है कि कोई भी पू का किरदार नहीं निभा सकता है और ना ही इसे रीक्रिएट किया जाना चाहिए। करीना कपूर ने कहा, पू एक आइकॉनिक कैरेक्टर था। कुछ कैरेक्टर्स को टच नहीं करना चाहिए। वो जैसे है उन्हें वैसे ही प्यार किया जाना चाहिए। कोई भी पू का रोल नहीं कर सकता है और ऐसा करना भी नहीं चाहिए। करीना कपूर से पूछा गया कि वह अपने किस कैरेक्टर के आउटफिट्स को ट्रेंड में लाना चाहती हैं, तो उन्होंने पू के बोले चूड़ियां आउटफिट का नाम लिया। करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में दो दशक पूरे कर लिए हैं। पिछली बार वह लाल सिंह चड्ढा में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने आमिर खान के साथ स्क्रीन शेयर किया था। हालांकि, साल 2022 में रिलीज हुई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। हालत ये हुई कि ये फिल्म 100 करोड़ रुपये का कलेक्शन नहीं कर पाई थी।

बताते चलें कि अब करीना कपूर बहुत जल्द द क्रू की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। ये फिल्म पिछले हफ्ते फ्लोर पर गई है। इस मूवी में करीना के अलावा कृति सैनन

बॉलीवुड | मसाला

और तब्बू जैसे सितारे नजर आएंगे। इसे रिया कपूर और एकता कपूर मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। वहीं, करीना कपूर के पास हंसल मेहता की फिल्म भी है, जो इस साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अब टीवी शो नहीं करेंगी सौन्दर्या शर्मा

बिग बॉस 16 कंटेस्टेंट सौंदर्या शर्मा इन दिनों खूब चर्चाएं बटोर रही हैं। पार्टी हो या अवॉर्ड शो, एक्ट्रेस अपने लुक्स और ड्रेसिंग सेंस से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

बिग बॉस 16 से बाहर आने के बाद सौंदर्या शर्मा अपने नए प्रोजेक्ट्स को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। इनमें से एक है एकता कपूर का सुपरनैचुरल शो नागिन 6 और नागिन 7। एकता कपूर ने बिग बॉस 16 में अपने विजिट के दौरान नागिन 7 को लेकर ऐलान किया था कि वो बिग बॉस के इस सीजन से एक एक्ट्रेस को अपने शो में बतौर लीड कास्ट करना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने नाम रिवील नहीं किया था।

एकता की इस घोषणा के बाद से चर्चाएं होने लगी थी कि नागिन 7 में प्रियंका चाहर चौधरी, सुंबुल तौकीर खान, निमृत कौर अहलूवालिया और सौंदर्या शर्मा में से कोई एक शामिल हो सकता है। सौंदर्या के नागिन 6 में भी शामिल होने की जानकारी सामने आई थी। अब एक्ट्रेस ने इन खबरों को लेकर चुप्पी तोड़ी है।

सौंदर्या शर्मा ने अपने हालिया इंटरव्यू में नागिन और अब्दु रोजिक व स्टैन के झगड़े पर बात की। नागिन को लेकर टेली चक्कर के साथ बातचीत में सौंदर्या ने कहा कि वो अब टीवी शो नहीं करेंगी। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी झोली में फिलहाल कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं, लेकिन वो अभी ज्यादा खुलासा नहीं कर सकती, लेकिन जल्द ही स्क्रीन पर नजर आने वाली हैं।

बिग बॉस 16 में बेहद करीबी दोस्त रहे अब्दु रोजिक और एमसी स्टैन अपने झगड़े को लेकर पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दोनों के झगड़े को लेकर सवाल पूछे जाने पर सौंदर्या ने कहा कि ऐसे झगड़े होते रहते हैं। कई बार गलतफहमियां हो जाती हैं, लेकिन समय के साथ ये दूर भी हो जाती है। उन्होंने ये भी कहा कि अब्दु और स्टैन एडल्ट्स हैं और वो अपना झगड़ा सुलझा लेंगे। बिग बॉस 16 में हम 4 महीनों तक रहे थे और ऐसी चीजें होती रहती थी।

अजब-गजब | गर्मी में बढ़ जाता है कुंड का जलस्तर!

इस तपोभूमि में विशालकाय चट्टानों के बीच से निकलता है पानी...

जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के सैलवाड़ा से 5 किलोमीटर दूर धरी ग्राम में स्थित दिव्य सिद्ध किशनगड़ धाम सिद्धों की तपोभूमि के नाम से प्रसिद्ध है। सद्गुरु देव दादा जी सरकार ने इस सिद्ध क्षेत्र किशनगढ़ धाम में तपस्या की और ईश्वरीय महिमा का प्रत्यक्ष उदाहरण यहां आज भी मौजूद है। जहां विशालकाय चट्टानों से हमेशा जल धारा निकलती रहती है।

पत्थर के बीचो बीच बने इस कुंड में पानी कहां से आता है, इसका पता आज तक कोई भी नहीं लगा पाया है। पत्थरों में किसी प्रकार का कोई छेद भी नजर नहीं आता है। फिर भी बारह महीने इस कुंड से पानी बहता रहा है, जो कभी समाप्त नहीं होता। इसे ईश्वरीय शक्ति कहें या सिद्धों की तपस्या, लगातार कुंड में से पानी का रिसाव होता ही रहता है।

पत्थरों से निकलने वाला यह पानी पास ही बने दूसरे बड़े कुंड में एकत्रित हो जाता है, जिससे पशु-पक्षियों और भी वन्यजीव, जंतुओं की प्यास बुझती है। ग्रामीणों ने इस कुंड को भगवान का चमत्कार बताया। कुछ लोगों ने सद्गुरु देव दादा जी सरकार की तपस्या का

फल बताया। ऐसा माना जाता है कि जैसे-जैसे गर्मी का प्रकोप बढ़ता है, वैसे-वैसे कुंड में पानी का स्तर बढ़ता जाता है। जंगल में स्थित होने के चलते पहले के बुजुर्ग बताते हैं कि उस दौर में नीचे बनी गुफाओं में शेर भी रहा करते थे। रात्रि के समय जब दादा जी सरकार तपस्या करते थे जब जंगली जानवरों का भी दादा जी सरकार के आसपास घेरा डाले रहते थे। स्थानीय निवासी रघुनाथ यादव ने बताया कि वह सिद्ध क्षेत्र किशनगढ़ धाम है जिसे तपोस्थली भी कहा जाता है वहां एक पत्थर के बीच में से पानी निकलता है जो कभी समाप्त नहीं होता है। वहीं स्थानीय शिक्षक राम प्रसाद गोटिया ने बताया कि इस क्षेत्र को सिद्धों की तपोभूमि कहा जाता है, जहां नीचे शेरों की गुफाएं हैं। वहां शेर रहा करते थे। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है वैसे-वैसे कुंड में भी पानी बढ़ता जाता है।

यहां 29 साल बाद थाने से 'आजाद' हुए हनुमानजी

बिहार में एक ओर जहां भगवान राम के जन्मोत्सव रामनवमी मनाने को लेकर शहरों से लेकर कस्बों तक महावीरी झंडा लगाया जा रहा है, वहीं भोजपुर जिले के कृष्णगढ थाना से 29 साल बाद हनमुान जी की 'रिहाई' भी हो गई है। अदालत से रिहाई के आदेश मिलने के बाद स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।

दरअसल, 29 साल पूर्व गुंडी गांव स्थित श्री भगवान रंगनाथ मंदिर से हनुमान जी और बरबर स्वामी की दो मूर्तियां चोरी हो गई थी। इसके बाद पुलिस लगातार इन मूर्तियों को बरामद करने के लिए छापेमारी करती रही। कुछ दिनों के बाद गौसगंज के समीप एक कुंए से दोनों मूर्तियां बरामद कर ली गई थी। इसके बाद यह मामला अदालत में चलता रहा। इस बीच मूर्तियां कृष्णगढ थाने के मालखाने में रखी गई थी। मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों मूर्तियों को ग्रामीणों को सौंपने का फैसला सुनाया। अदालत के आदेश मिलने के बाद कृष्णग? थाना के मालखाने से दोनों मूर्तियों को निकाला गया और उसकी साफ सफाई कर उसकी पूजा अर्चना की गई। कृष्णग? के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बुधवार को आईएएनएस को बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद मंदिर के पुजारी नंदजी पांडेय सहित अन्य ग्रामीणों को दोनों मूर्तियां सौंप दी गई। इसके बाद मंगलवार को पुलिस की देखरेख में ही गाजे-बाजे के साथ दोनों मूर्तियों को ससम्मान गुंडी गांव लाया गया। इसके बाद मूर्तियों को गांव का भ्रमण कराया गया और फिर भगवान रंगनाथ स्वामी के मंदिर में स्थापित किया गया। कुमार ने बताया कि फिलहाल मंदिर की सुरक्षा के लिए दो चौकीदारों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। इधर, रामनवमी के पावन पर्व के पूर्व मूर्ति के पुनः स्थापित होने के बाद ग्रामीणों में खुशी है। ग्रामीण कह रहे हैं कि आखिर हनुमान जी आजाद हो गए। उल्लेखनीय है कि 1994 के जून महीने में गुंडी गांव स्थित श्री रंगनाथ भगवान के मंदिर से दोनों कीमती मूर्तियां चुरा ली गई थी।

सुबह-सुबह हुई रात, तेज वर्षा से तापमान घटा

» हवाओं ने बढ़ाई सिहरन ओलावृष्टि के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटोः सुमित कुमार

लखनऊ। शुक्रवार की सुबह मौसम में आए अचानक बदलाव से लोग ठंड से सिहर उठे। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई हिस्सों में सुबह पहले तो घने बादल छाए फिर अंधेरा छा गये थोड़ी देर बाद गरज-चमक के साथ जमकर बारिश हुई। बारिश लगभग आधे घंटे से ज्यादा हुई। बारिश के साथ-साथ तेज हवाएं भी जार रही जिससे तापमान में गिरावट आ गई और लोगों ने ठंड का एहसास किया। इससे पहले गुरुवार दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में जमकर बारिश व ओलावृष्टि हुई।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार को बरसात का दौर शुरू हो गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, 31 को लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में बारिश होने के आसार हैं। बुलेटिन के मुताबिक, 30-40 किमी की रफ्तार से हवा चलने व कहीं-कहीं ओलावृष्टि से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि एक अप्रैल से फिर हालात संभलेंगे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज आंधी से जन-जीवन ठहरा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर में तेज आंधी की वजह से बृहस्पतिवार रात पेड़ टूटकर ओएचई वायर पर गिर गया और मौजमपुर नारायण गजरौला ट्रैक पर रेल यातायात बाधित हो गया। नजीबाबाद गजरौला पैसेंजर जंगल में ही खड़ी हो गई। नजीबाबाद की तरफ आ रही दूसरी पैसेंजर गाड़ी को हलदौर रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। आंधी की वजह से नेशनल हाईवे समेत जिले की दूसरी सड़कों पर पेड़ गिर गए और सड़क यातायात भी बाधित हो गया। बृहस्पतिवार की शाम नजीबाबाद से चलकर गजरौला जा रही पैसेंजर ट्रेन हलदौर के पास गांव बलदिया के निकट पहुंची तो ट्रेन को मिलने वाले विद्युत आपूर्ति अचानक बंद हो गयी। ट्रेन रूक गई। कुछ ही दूरी पर ओएचई वायर पेड़ गिरने से टूटा हुआ था। आनन-फानन में रेलवे के उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई। गजरौला से चलकर ने नजीबाबाद जाने वाली पैसेंजर ट्रेन को भी हल्दौर रेलवे स्टेशन पर रुकना पड़ा। दोनों दोनों ही ट्रेन तीन घंटे तक हलदौर में खड़ी रही।

क्वाइल के धुएं से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री पार्क में एक बड़ी घटना सामने आई है जो हर उस शख्स के लिए खतरे की घंटी है जो अपने घर में मच्छर भगाने के लिए मॉस्किटो क्वाइल जलाता है। दरअसल शास्त्री पार्क में एक ही परिवार के पांच लोगों समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई।

शास्त्री पार्क के जिस घर में हादसा हुआ वहां ग्राउंड फ्लोर पर मकान मालिक का परिवार रहता है और पहली मंजिल पर किराएदार रहते हैं। गुरुवार रात को मकान मालिक ने अपने घर में मच्छर भगाने वाला क्वाइल लगाया जो रात में एक गद्दे पर गिर गया। गद्दे पर क्वाइल गिरने से आग लग गई और उसका धुआं ऊपरी मंजिल तक पहुंच गया। आग के धुएं से दम घुटने के कारण किराएदार के परिवार के पांच लोगों की सोते हुए मौत हो गई। वहीं आग में झुलसने से मकान मालिक के परिवार के ढाई साल के एक बच्चे की मौत हो गई। इस तरह मकान मालिक के एक बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई।

कन्यापूजन के दौरान बावड़ी धंसी, 35 की मौत

» इंदौर में कल रामनवमी के मौके पर हुआ था हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर में रामनवमी पर एक बड़ा हादसा हो गया। वहां पर एक मंदिर में हवन के बाद कन्या पूजन चल रहा था। इस दौरान बावड़ी की छत धंस गई और वहां मौजूद 50 से अधिक लोग उसमें गिर गए। हादसे में अब तक लगभग 35 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 लोगों के शव बावड़ी से निकाले गए हैं, वहीं तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा है।

महू से तीन अलग-अलग टीमों में आर्मी के करीब 70 जवान मौके पर पहुंचे और उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गुरुवार देर रात करीब सात शव और निकाले गए, इससे पहले 11 शव निकाले गए थे। बचाव कार्य जारी है। कुछ और लोगों के दबे होने की बात कही जा रही है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने 13 मौत की पुष्टि की है। इससे पहले इंदौर कलेक्टर इलैयाराजा ने 12 की मौत की जानकारी दी थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों को पांच लाख और घायलों को पचास हजार देने की घोषणा की है।

सीएम ने दिए जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में पुरानी निजी बावड़ी के धंस जाने से व्यक्तियों की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि है यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। अनेक प्रयासों के बाद कई नागरिकों को बचाया नहीं जा सका। घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

10 फीट पानी होने से बढ़ रहा मौत का आंकड़ा

लोगों ने बताया कि जिस बावड़ी में लोग गिरे हैं, उसमें करीब 10 फीट पानी भरा है। लोग गिरे, ऊपर से मलबा गिरा। इस वजह से जो लोग नीचे गिरे, उनकी मौत हुई है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। प्रशासन अब बावड़ी का पानी खाली कराने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद फिर गिरे लोगों की तलाश की जाएगी। बताया जा रहा है कि टीम ने जो नजर आ रहे थे वे सभी शव निकाल लिए हैं।

सकुशल बाहर आने की कामना करता हूं : कमलनाथ

पूर्व सीएम कमलनाथ ने इंदौर के मंदिर में हुए हादसे पर चिंता व्यक्त की उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हवन के दौरान लोगों के बावड़ी में गिर जाने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मैं ईश्वर से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल बाहर आने की कामना करता हूं। प्रभु श्रीराम सबकी रक्षा करें।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

उधर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे की भयावहता देखकर लग रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। घटनास्थल पर हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। किसी को कुछ समझ ही नहीं आया कि अचानक क्या हो गया। फिर भी स्थानीय लोगों ने सक्रियता दिखाई और दस लोगों को बाहर खींच लिया। घायलों को एप्पल हॉस्पिटल लेकर जाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। राहत एवं बचाव कार्यों को गति दे दी गई है। वहीं, मंदिर के पास रहने वाले लोगों का कहना है कि बावड़ी अवैध रूप से बनाई गई है, कई बार प्रशासन से इसकी लिखित शिकायत भी की जा चुकी है। प्रधानमंत्री ने भी की हादसे को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा की है। कल गृह मंत्री मिश्रा इंदौर पहुंचेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा है कि मामले की जांच होनी चाहिए। मंदिर में बावड़ी के ऊपर स्लैब कैसे डल गया, किसकी इजाजत से डला। मामले में निष्पक्ष जांच होना चाहिए।

धोनी को लगी चोट, उद्घाटन मैच में खेलने पर संशय

» आईपीएल का आगाज आज चेन्नई सुपरकिंग्स व गुजरात टाइटंस में पहला मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल के 16वें संस्करण का आगाज शुक्रवार को होने जा रहा है। पहला मैच चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और डिफेंडिंग चैंपियंस गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। इस मैच से पहले सीएसके की मुसीबतें बढ़ गई हैं। दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम के कप्तान महेंद्र सिंह चोटिल हैं और उनके पहले मैच में खेलने पर संशय है। धोनी के बाएं घुटने में चोट लगी है।

हालांकि, टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने गुरुवार को धोनी के खेलने को लेकर अपडेट भी दिया। जिससे फैंस को जरूर राहत मिली होगी। काशी ने कहा- जहां तक मेरी जानकारी है तो धोनी 100 प्रतिशत खेल रहे हैं। मुझे कोई और जानकारी नहीं है। इस बात ने जरूर सीएसके के फैंस के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है, लेकिन धोनी खेलेंगे या नहीं, ये तो देखने वाली बात होगी।

अभ्यास में नहीं हुए शामिल

धोनी को प्रैक्टिस सेशन के दौरान बाएं घुटने में दर्द महसूस हुा था, जिसकी वजह से उन्होंने गुरुवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीएसके की ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया था। गुजरात के खिलाफ पहला मुकाबला अहमदाबाद में बने दुनिया के इस सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में ही खेला जाना है। गुजरात की कमान हार्दिक पांड्या संभाल रहे हैं।

सात महीने बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं सिंधू

» मैड्रिड बैडमिंटनः श्रीकांत भी जीते, अंतिम-8 में देंगे चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैड्रिड । पीवी सिंधू ने लगभग सात महीने बाद किसी टूर्नामेंट के अंतिम-8 में पहुंचीं हैं। वही श्रीकांत भी क्वार्टर फाइनल फाइनल में पहुंच गए। इन दोनों खिलाडियों ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में यह सफलता हासिल की ।

मैच के अंतिम-16 में सिंधू ने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमावर्दिनी को 36 मिनट में 21-14, 21-16 से पराजित किया। सिंधू ही नहीं पांचवीं वरीय किदांबी श्रीकांत भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। उन्होंने हमवतन बी साईप्रणीत को सीधे गेमों में 21-15, 21-12 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। वहीं प्रियांशु राजावत और किरन जॉर्ज की टूर्नामेंट में चुनौती समाप्त हो गई है।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

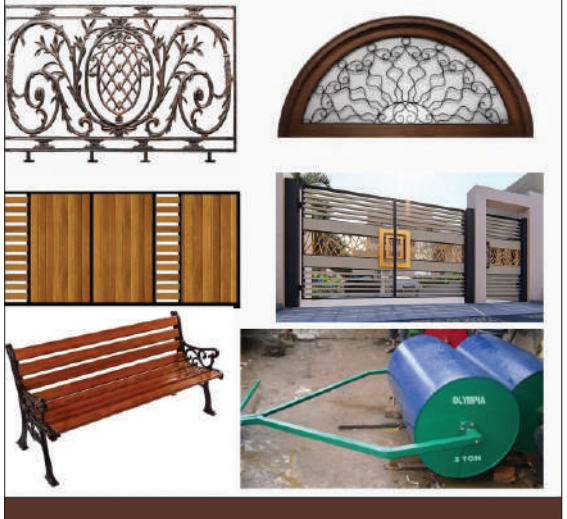

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

शोभायात्रा पर देशभर में जगह-जगह आगजनी

लखनऊ, बडोदरा, हावड़ा व संभाजीनगर में झड़प, पुलिस ने 50 से ज्यादा को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा/ संभाजीनगर/ कोलकाता। देशभर में रामनवमी के दिन कुछ राज्यों में हिंसा और आगजनी की खबरें भी सामने आईं। गुजरात के बडोदरा, महाराष्ट्र के क्षत्रपति संभाजीनगर-जलगांव, पश्चिम बंगाल के हावड़ा-इस्लामपुर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प के बाद पथराव और आगजनी की घटनाएं हुईं। अब तक 50 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और इन इलाकों में लगातार गश्त कर रही हैं। अभी हालत सामान्य है। वहीं गुजरात के वडोदरा शहर में दो जगहों पर रामनवमी शोभायात्रा में पथराव किया गया।

पहली घटना फतेहपुरा क्षेत्र के पंजरीगर मोहल्ले के पास दोपहर में हुई, जबकि दूसरी घटना शाम को नजदीकी कुंभरवाड़ा में हुई। पुलिस के मुताबिक, फतेहपुरा क्षेत्र में हुई घटना में कोई घायल नहीं हुआ, जबकि कुंभरवाड़ा में रामनवमी के जुलूस पर हुए पथराव में एक महिला समेत कुछ लोग घायल हो गए। पंजरीगर मोहल्ले के जुलूस का आयोजन विश्व हिंदू परिषद ने किया था। वहीं, दूसरा जुलूस स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित किया गया था। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (पुराना नाम औरंगाबाद) के किराडपुरा इलाके में रात दो गुटों के बीच झड़प हो गई। लोगों ने एक-दूसरे पर पथराव किया और कई वाहनों में आग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी लोगों ने पथराव किया। हमले में 10 पुलिसकर्मी समेत 12 लोग घायल हो गए। अब तक 20 लोगों की गिरफ्तार किया गया है।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा और उत्तरी दिनाजपुर जिले में शोभायात्रा के दौरान हिंसक झड़प हुई। हावड़ा के शिबपुर और उत्तरी दिनाजपुर जिले में इस्लामपुर शहर के डालखोला में भी हिंसा हुई है। हावड़ा के शिबपुर में दो गुटों में जमकर पत्थरबाजी हुई। शिबपुर में विश्व हिंदू परिषद और बंजरग दल ने शोभायात्रा निकाली थी। हिंसा का दूसरा मामला इस्लामपुर शहर के डालखोला का है। यहां भी शोभायात्रा के दौरान दो गुटों में जमकर पत्थरबाजी हुई। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच-छह पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि युवक की मौत हिंसा के दौरान हार्ट अटैक से हुई। रामनवमी पर हिंसा की खबर लखनऊ से भी आई। वहां भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटीमें छात्रों के गुट के बीच झड़प हुई। यहां एबीवीपी के छात्रों ने राम नवमी पर जुलूस निकाला था। दूसरे गुट ने इसका विरोध किया, जिस पर झड़प हो गई। बाद में दोनों गुटों ने वीसी से कार्रवाई की मांग की। हालांकि, यह मामला पुलिस तक नहीं पहुंचा है।

दंगों के लिए राज्य के बाहर से गुंडे लाए : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन घटनाओं के लिए सीधे भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। ममता ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा,कि वे सांप्रदायिक दंगों के लिए राज्य के बाहर से गुंडे बुलाते रहे हैं। उनके जुलूसों को किसी ने नहीं रोका लेकिन उन्हें तलवारें और बुलडोजर लेकर मार्च करने का अधिकार नहीं है। हावड़ा में ऐसा करने की उनकी हिम्मत कैसे हुई ममता ने कहा- 'उन्होंने मार्ग क्यों बदल दिया? विशेष रूप से एक समुदाय को टारगेट करने और हमला करने के लिए अनधिकृत मार्ग क्यों चुना? भाजपा ने हमेशा हावड़ा, पार्क सर्कस और इस्लामपुर को निशाने पर रखा है।

संभाजीनगर में शराबियों ने माहौल बिगाड़ा : सांसद

संभाजीनगर के सांसद इम्तियाज जलील ने में कहा कि यहां झड़प शराबियों के दो गुटों में हुई। इन्होंने ही पत्थरबाजी की। राम मंदिर को कोई नुकसान नहीं हुआ। मंदिर में कोई नहीं गया। इसलिए नागरिकों को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। संभाजीनगर में भीड़ को काबू करने के लिए कुछ धर्मगुरुओं को बुलाया गया। लेकिन भीड़ उनकी बात मानने को तैयार नहीं थी।

हावड़ा में हुई हिंसा प्रशासन की विफलता: शुभेंद्र अधिकारी

भाजपा नेता और बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पिछले साल हावड़ा में इसी जगह पर हिंसा हुई थी। मैं किसी एक समुदाय को इसका जिम्मेदार नहीं ठहरा रहा हूं. यह प्रशासन की विफलता है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी ने रोहिंग्याओं के लिए रेड कार्पेट बिछाया, उनको देश कभी माफ नहीं करेगा।

नितिन, हिमांशु, कल्पना व दीपक सहित 10 अफसरों को पदोन्नति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 1990 बैच के 10 आईएएस अधिकारियों को प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नति दे दी है। नौ अधिकारी वर्तमान में शासन स्तर पर विभिन्न विभागों के मुखिया हैं। अर्चना अग्रवाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। करीब ढाई वर्ष के लंबे इंतजार के बाद इन अफसरों को पदोन्नति मिल सकी है। इन्हें मुख्य सचिव के बराबर नियत वेतनमान 2.25 लाख रुपये (सातवें वेतन आयोग के पे-मैट्रिक्स में लेवल-17) में पदोन्नति दी गई है। शासन में तैनात सभी नौ अधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात होने की वजह से अर्चना अग्रवाल को प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। ये अफसर अब अपर मुख्य सचिव होंगे, नितिन रमेश गोकर्ण, अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन, हिमांशु कुमार, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास,कल्पना अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, रजनीश गुप्ता, अपर मुख्य सचिव राजनैतिक पेंशन एवं नागरिक सुरक्षा, दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक शिक्षा, जितेंद्र कुमार, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन,डा. सुधीर महादेव बोबडे, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा, अनीत सिंह, अपर मुख्य सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, सुधीर गर्ग, अपर मुख्य सचिव राजस्व।

डीएस चौहान को मिला डीजीपी का पे स्केल

इसके अलावा कार्यवाहक डीजीपी डीएस चौहान को डीजीपी का पे स्केल दिया गया, जो 12 मई 2022 से प्रभावी माना जाएगा। 1990 बैच के आईएएस अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक गत मंगलवार को मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा की अध्यक्षता में हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी के बाद शुक्रवार को इनकी पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए गए।

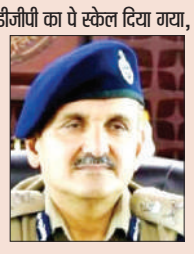

फोटो: 4पीएम

निरीक्षण शुक्रवार सुबह अचानक डिप्टी सीएम बृजेश पाठक बलरामपुर अस्पताल पहुंचे इस दौरान उन्होंने तीमारदारों से मिलकर उनका हालचाल लिया। डिप्टी सीएम को देख डॉक्टरों में मचा रहा हड़कंप।

बसपा ने दिया शाइस्ता को झटका मेयर पद का प्रत्याशी नहीं बनाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अतीक को सजा सुनाए जाने के बाद उसके करीबियों की मुश्किलें भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अतीक अहमद को सजा मिलने के बाद बहुजन समाज पार्टी ने उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन के सिर से अपना हाथ खींच लिया है।

उमेश पाल की हत्या से पहले पार्टी ने शाइस्ता परवीन को अपना मेयर पद का प्रत्याशी बनाया था, लेकिन अब पार्टी ने अपना फैसला बदलते हुए प्रत्याशी भी बदल दिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रयागरात की मेयर सीट चाहे आरक्षित हो या नहीं, लेकिन पार्टी शाइस्ता को इस पद पर अपना प्रत्याक्षी नहीं बनाएगी।

सीएम योगी के दावे की खुली पोल

विधायक के जूता रगड़ते ही उखड़ती चली गई सड़क

» जखनियां से सुभासपा विधायक बेदी राम का वीडियो हो रहा वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। भ्रष्टाचार मुक्त शासन व गुणवत्तापूर्ण विकास का दावा करने वाली योगी सरकार की कलई गाजीपुर के जखनियां से सुभासपा विधायक बेदी राम का एक वीडियो से खुल गई है। तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में विधायक एक सड़क पर जूता रगड़ते नजर आ रहे हैं और जूता रगड़ने से सड़क उखड़ती दिख रही है

मामला जखनियां क्षेत्र के जंगीपुर-बहरियाबाद-यूसुफपुर को जोड़ने वाली सड़क का है, जो जंगीपुर को यूसुफपुर से जोड़ती है।

करीब 4.5 किलोमीटर की इस सड़क को लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) द्वारा बनाया जा रहा है। करीब 1 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो चुका था।

विधायक बेदी राम के वायरल हो रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि सड़क पर पैर को रगड़ते हुए नजर आ रहें, जूते से रगड़ते ही सड़क टूटनी शुरू हो जाती है, इसके बाद वह कहते हैं- ऐसी सड़क बनती है? कौन है इस सड़क का ठेकेदार? ये है सड़क की क्वालिटी ये वीडियो 29 मार्च का बताया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।